संपादकीय

मनुष्यता को जीवित रखने की चुनौती

देश की आजादी के अमृत महोत्सव की शुरुआत हो गई है। 75 साल पहले हमने आजादी पाई थी। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नियति से साक्षात्कार की याद दिला कर एक नये भारत के सपने को साकार करने के संकल्प को पूरा करने की दिशा में बढ़ने की घोषणा की थी। तब से हर साल 15 अगस्त को हम इस संकल्प को दोहराते हैं, उन शहीदों को याद करते हैं, जिन्होंने इसलिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया ताकि भावी पीढ़ी यानी हम आजाद हवा में सांस ले सकें। इन शहीदों में वे भी शामिल हैं जो आजादी के साथ मिली विभाजन की विभीषिका के शिकार हुए। लाखों देशवासियों के बलिदान से मिली है हमें यह आजादी। वह हमारा इतिहास है, उनके बलिदान को याद करके ही हम एक नया इतिहास रचने की दिशा में कुछ सार्थक कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस स्मृति को एक नये नारे से जोड़ दिया है--उन्होंने घोषणा की है कि अब हर 14 अगस्त को यानी आजादी मिलने से 1 दिन पहले देश विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया करेगा। उन्होंने कहा है कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानवीय संवेदनाएं मजबूत होंगी। उन्हें यह भी विश्वास है कि हर 14 अगस्त को इस आयोजन से सामाजिक विभाजन और वैमनस्य के जहर को दूर करने में भी मदद मिलेगी। आमीन।

लेकिन सवाल उठता है, क्या स्मृति दिवस मनाने से ही उद्देश्य पूर्ति हो जाएगी? उद्देश्य यह है कि 75 साल पहले जो हुआ था, वह फिर कभी न दोहराया जाए। देश के विभाजन के साथ जुड़ी हिंसा ने हमारे भीतर की अमानुषिकता को ही उजागर किया था। धर्म के नाम पर लगाई गई सांप्रदायिकता की आग में मानवीय संवेदनाओं की होली जली थी। पशुता की अभिव्यक्ति थी वह। न उसे भुलाया जाना चाहिए और न ही उसे क्षमा किया जाना चाहिए। तब जो कुछ हुआ था वह मनुष्यता को झुठलाने की कोशिश थी। अपराधी वे सब थे, जिन्होंने धर्म के नाम पर हिंसा की। अपराधी वह सोच थी, जिसने हमारे समाज को हिंदू और मुसलमान में बांट दिया। देश का बंटवारा तो समझ में आता है। उसके राजनीतिक कारण हो सकते हैं, नेतृत्व की कुत्सित महत्वाकांक्षा भी हो सकती है। लेकिन आदमी और आदमी के बीच धर्म के नाम पर उठाई गई दीवारों का तर्क समझ से परे है। धर्म के नाम पर हुई हिंसा न तब क्षम्य थी, और न ही आज उसे किसी भी दृष्टि से सही ठहराया जा सकता है। सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वाले तब भी अपराधी थे, आज भी अपराधी हैं। इसलिए, जब आज विभाजन की विभीषिका को याद रखने के लिए आह्वान किया जा रहा है तो यह याद रखना भी जरूरी है कि 75 साल पहले जिन विचारों ने सांप्रदायिकता की आग लगाई थी, आज भी उन विचारों को आधार बनाकर मनुष्य को बांटने की कोशिश न हो। इसलिए आज उस विभीषिका को नहीं, उन कुत्सित विचारों को याद करके उनसे मुक्ति पाने की आवश्यकता है, जिन्होंने तब आदमी को वहशी बना दिया था। और आज भी हमारे भीतर की अमानुषिकता को उकसाते रहते हैं। उस 14 अगस्त को हमारा वहशीपना ही सामने नहीं आया था, वह आशा की किरण भी दिखाई दी थी, जिसकी रोशनी में मनुष्यता फलनी थी। यह काम तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने किया था। उस दिन जब देश आधी रात को तिरंगा फहराने की तैयारी कर रहा था, गांधीजी राजधानी दिल्ली के उत्सवी माहौल से दूर कोलकाता में सांप्रदायिकता की आग बुझाने में लगे हुए थे। जब नेहरू, नियति से साक्षात्कार का आह्वान कर रहे थे तो गांधी देश की जनता को कांटों के ताज की याद दिला रहे थे। 24 घंटे का उपवास किया था तब उन्होंने। यह प्रायश्चित था उन सबके किये का जो सांप्रदायिकता की आग लगाने में लगे थे। उनका संदेश था, 'आज से आपको कांटों का ताज पहनना है। सत्य और अहिंसा को बढ़ावा देने में लग जाना है। विनम्र बनो। सहिष्णु बनो। अब रोज आपकी परीक्षा होगी। सत्ता से सावधान रहो। सत्ता भटकाती है। सत्ता की शान-शौकत के जाल में मत फंसना। भारत के गरीबों की सेवा में जुट जाओ।' यह संदेश उनके लिए था जो नये भारत की सत्ता संभालने वाले थे। *-विश्वनाथ सचदेव*

ट्रूकॉलर को टक्कर देने आई भारतीय ऐप

नईदिल्ली। कॉलर आईडी ऐप ट्रूकॉलर को टक्कर देने के लिए भारतीय कॉलर आईडी ऐप लॉन्च हो गया है। इस स्वदेशी कॉलर आईडी का नाम भारतकॉलर है। इसे बनाने वाले इंजीनियरों का दावा है कि यह कॉलर आईडी विदेशी और अन्य कॉलर आईडी की तरह आपके कॉल लॉग्स, कॉन्टैक्ट्स या संदेशों को अपने सर्वर पर अपलोड नहीं करता। न ही इसके कर्मचारियों के पास आपके फोन नंबर्स का डेटाबेस एक्सेस करने का अधिकार है। इस एप के निर्माता का यह कहना है कि वे ट्रूकॉलर से कुछ मामलों में आगे हैं और यह एप

भारतीयों को ट्रूकॉलर से बेहतर लगेगी।

इस ऐप को भारत के ही कुछ इंजीनियरों ने बनाया है। आईआईएम बैंगलोर के पूर्व छात्र और इस एप की निर्माता टीम के प्रमुख सदस्य, प्रज्ज्वल सिन्हा यह कहते हैं कि यह एप भारत में ट्रूकॉलर का विकल्प बन सकता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। प्रज्ज्वल कहते हैं कि कुछ समय पहले भारतीय सेना ने भारत में ट्रूकॉलर को बैन कर दिया था। इस समय प्रज्ज्वल और उनके मित्र को यह सूझा कि भारत की कोई अपनी कॉलर आइडी एप नहीं है और होनी चाहिए। तभी उन्होंने इस एप को बनाने का फैसला किया।

प्रज्ज्वल बताते हैं कि तीन महीने की रिसर्च के बाद, दिसंबर 2020 में इस एप पर काम शुरू हुआ और इसे पूरी तरह तैयार होने में छह महीने का समय लग गया। ट्रायल्स के सफल होने के बाद इस एप के पहले वर्जन को लॉन्च किया गया, जो करीब 1 करोड़ यूजर्स के उपयोग करने के लायक है। भारतकॉलर के निर्माता कहते हैं कि अभी भी वह अपनी एप को वहां नहीं पहुंचा पाए हैं जहां यह एप अंतर्राष्ट्रीय स्तर की ऐसी दूसरी एप्स से मुकाबला कर सके। अपडेट्स की प्रक्रिया चल रही है और एआई आधारित ऐल्गोरिद्म में सुधार किए जा रहे हैं। वह कहते हैं कि अभी उन्हें काफी काम और करना है।

यह एप बाकी एप्स से इस तरह भिन्न है कि यह अपने यूजरस के कॉन्टैक्ट्स और कॉल लॉग्स को अपने सर्वर पर सेव नहीं करता जिससे यूजर्स की निजता पर कोई प्रभाव न पड़े। साथ ही, इस एप का सर डाटा इन्क्रिप्टेड फॉर्मैट में स्टोर किया जाता है और इसका सर्वर भारत के बाहर कोई इस्तेमाल नहीं कर सकता है। इसलिए भारतकॉलर एप पूरी तरह से सुरक्षित और यूजर-फ्रेंडली है। भारतकॉलर को विभिन्न भारतीय भाषाओं में लॉन्च किया गया है, जैसे अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल, गुजराती, बांग्ला, मराठी आदि। इसके पीछे का कारण है एप को समावेशी यानी इन्क्लूसिव बनाना जिससे हर भारतीय अपने सुख और अपनी पसंद से भाषा चुन सके और उस भाषा में एप को इस्तेमाल कर सके। इस एप को एंड्रॉयड और आईओएस का इस्तेमाल करने वाले यूजर्स, सभी डाउनलोड कर सकते हैं।

मर्सिडीज बेंज ने एएमजी जीएलई 63 एस मैटिक प्लस कूपे उतारी, कीमत 2.07 करोड़ रुपये

नईदिल्ली । जर्मनी की लक्जरी कार कंपनी मर्सिडीज बेंच ने सोमवार को अपनी नई परफॉर्मेंस कार 'एएमजी जीएलई 63 एस मैटिक प्लस कूपे' पेश की। इसकी देशभर में शोरूम कीमत 2.07 करोड़ रुपये है।

मर्सिडीज बेंज इंडिया ने सोमवार को बयान में कहा कि इस मॉडल में 4-लीटर का इंजन लगा है जो 612 एचपी की ऊर्जा प्रदान करता है। कंपनी की एएमजी परफॉर्मेंस कार श्रृंखला में यह भारत में उपलब्ध 12वां मॉडल है।

मर्सिडीज बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मार्टिन श्वेंक

ने कहा कि एएमजी पोर्टफोलियो हमारे लिए सबसे तेजी से बढ़ता खंड है। एएमजी जीएलई 63 एस मैटिक प्लस कूपे को पेश किए जाने से लक्जरी प्रदर्शन खंड में हमारी स्थिति और मजबूत हुई है।

कंपनी ने कहा कि यह वाहन शून्य से 100 किलोमीटर की रफ्तार मात्र 3.8 सेकेंड में पकड़ लेता है। इसकी अधिकतम गति सीमा 280 किलोमीटर प्रति घंटे की है।

वोडाफोन आइडिया ने जून में 42.8 लाख ग्राहक गंवाये, एयरटेल, जियो के ग्राहक बढ़े

नईदिल्ली। संकट में फंसी वोडाफोन आइडिया लि. (वीआईएल) ने जून में 42.8 लाख मोबाइल ग्राहक गंवाए। इसका फायदा रिलायंस जियो और भारती एयरटेल को हुआ।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के आंकड़ों के अनुसार, जून में रिलायंस जियो के ग्राहकों की संख्या में 54.6 लाख की बढ़ोतरी हुई। वहीं भारती एयरटेल की ग्राहक संख्या में 38.1 लाख का इजाफा हुआ।

आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन महीने में वोडाफोन आइडिया के ग्राहकों की संख्या 42.8 लाख घटकर 27.3 करोड़ रह गई। इससे कर्ज के बोझ तले

दबी दूरसंचार कंपनी की दिक्कतें और बढ़ी है, जो बाजार में टिके रहने के लिए संघर्ष कर रही है।

जून में रिलायंस जियो के मोबाइल ग्राहकों की संख्या 54.6 लाख बढ़कर 43.6 करोड़ हो गई। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली दूरसंचार कंपनी वायरलाइन कनेक्शन जोड़ने में भी सबसे आगे रही। माह के दौरान कंपनी ने वायरलाइन श्रेणी में 1.87 लाख नए ग्राहक जोड़े।

भारती एयरटेल के जून में मोबाइल ग्राहकों की संख्या 38.1 लाख बढ़कर 35.2 करोड़ पर पहुंच गई।

आंकड़ों के अनुसार, जून, 2021 के अंत तक देश में कुल फोन ग्राहकों की संख्या मासिक आधार पर 0.34 प्रतिशत बढ़कर 120.2 करोड़ हो गई। इस दौरान शहरी क्षेत्रों में फोन ग्राहकों की संख्या बढ़ी, जबकि ग्रामीण इलाकों में कनेक्शनों में मामूली गिरावट आई।

ट्राई ने कहा, ''जून महीने में 440 ऑपरेटरों से मिली सूचना के आधार पर ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या बढ़कर 79.27 करोड़ पर पहुंच गई, जो मई अंत तक 78.02 करोड़ थी। इसमें मासिक आधार पर 1.60 प्रतिशत की वद्धि हुई।

ब्रॉडबैंड बाजार में पांच शीर्ष सेवाप्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी 98.7 प्रतिशत है।

इनमें रिलायंस जियो इन्फोकॉम लि. (43.99 करोड़), भारती एयरटेल (19.71 करोड़), वोडाफोन आइडिया (12.14 करोड़), बीएसएनएल (2.26 करोड़) और एट्रिया कन्वर्जेंस (19.1 लाख) शामिल हैं।

वनवेब ने 34 और उपग्रहों के सफल प्रक्षेपण की घोषणा की

नईदिल्ली । भारती समूह द्वारा समर्थित निम्न कक्षा (एलईओ) उपग्रह संचार कंपनी वनवेब ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिणी कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से एरियनस्पेस द्वारा 34 उपग्रहों को प्रक्षेपित किया है।

इसके साथ ही कंपनी अब तक कुल 288 उपग्रहों को कक्षा में स्थापित कर चुकी है। वनवेब ने कहा कि वह इस साल सेवा शुरू करने और 2022 में वैश्विक सेवा देने की राह पर है।

कंपनी वाणिज्यिक सेवा शुरू करने और वैश्विक सेवा बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है, और ताजा कदम इस व्यावसायिक तैयारी को दर्शाता है।

कंपनी ने एक बयान में कहा, ''भारती समर्थित निम्न पृथ्वी कक्षा (एलईओ) उपग्रह संचार कंपनी वनवेब ने आज दक्षिणी कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से एरियनस्पेस द्वारा 34 उपग्रहों के प्रक्षेपण की पुष्टि की।''

ये उपग्रह वनवेब के 648 एलईओ उपग्रह बेड़े का हिस्सा होंगे, जिसका उद्देश्य उच्च गति वाली वैश्विक कनेक्टिविटी मुहैया कराना है।

विश्वामित्र चोंगथम सहित तीन भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में

दुबई । विश्व युवा चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता विश्वामित्र चोंगथम (51 किग्रा) सहित अन्य तीन भारतीय मुक्केबाज सभी की उम्मीदों पर खरे उतरते हुए यहां शनिवार को एएसबीसी युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन सेमीफाइनल में पहुंच गए।

मणिपुर के युवा मुक्केबाज विश्वामित्र क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के केंझे मुरातुल से काफी मजबूत दिखे। उन्होंने पूरे मुकाबले में तेजी और तकनीकी कौशल दिखाया और 5-0 से आसान जीत हासिल करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इसी के साथ उन्होंने अपना कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया है। अगर वह सेमीफाइनल में हारते भी हैं तो उन्हें कांस्य पदक से सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा मिडिलवेट क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दीपक (75 किग्रा) इराक के दुर्गम करीम पर शुरुआत से ही हावी रहे। उन्होंने तीसरे दौर में अपने प्रतिद्वंद्वी पर पंचों की बरसात कर दी। परिणामस्वरूप रेफरी को मुकाबला रोकना पड़ा और दीपक को विजेता

घोषित किया गया। राष्ट्रीय चैंपियन हरियाणा के अभिमन्यु लौरा (92 किग्रा) ने भी किर्गिस्तान के टेनिबेकोव संजर को एकतरफा मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दीपक की तरह अभिमन्यु ने भी दूसरे दौर में अपने प्रतिद्वंद्वी को पंचों से चारों खाने चित कर दिया, जिसके चलते रेफरी को मुकाबला रोकना पड़ा और भारतीय मुक्केबाज को विजेता घोषित किया गया।

महिला वर्ग में प्रीति (57 किग्रा) ने मंगोलिया की तुग्सजरगल नॉमिन को हरा कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने मैच के दूसरे दौर में रेफरी स्टॉपिंग द कॉन्टेस्ट (आरएससी) यानी रेफरी द्वारा मुकाबला रुकवाने की बदौलत जीत हासिल की। इस बीच आदित्य जंघू (86 किग्रा) दूसरे दिन हार का सामना करने वाले एकमात्र भारतीय मुक्केबाज रहे।

अनुप्रिया गोयनका ने शुरू की असुर 2 की शूटिंग

अभिनेत्री अनुप्रिया गोयनका ने वेब सीरीज असुर 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। अभिनेत्री लंबे समय के बाद मुंबई से बाहर कदम रखेंगी, क्योंकि इस प्रोजेक्ट के लिए कलाकारों को अलग-अलग स्थानों पर शूटिंग की आवश्यकता है। अभिनेत्री एक बार फिर यात्रा करने के लिए रोमांचित है। महामारी के कारण एहतियात के तौर पर पूरी एंटरनेटमेंट इंडस्ट्री पर प्रभाव पड़ा है और इसकी वजह से उद्योग लगभग ठप पड़ गया है। हाल ही में शूटिंग फिर से शुरू हुई है और अनुप्रिया इससे खुश हैं। एक्ट्रेस पहले नई दिल्ली और फिर

मनाली शूटिंग के लिए जाएंगी।

अनुप्रिया ने बताया, मैं काम पर वापस आने के इस चरण का आनंद ले रही हूं। हम सभी डेढ़ साल से अधिक समय से अपने घरों में बंद थे। अब जब हमें बाहर जाने और काम करने के लिए राहत मिली है, तो मैं इसका अधिकतम लाभ उठाने की कोशिश कर रही हूं। शुक्र है कि अब बहुत सारी यात्रा होने वाली हैं और मैं इसके लिए पूरी तरह से उत्सुक हूं। मुझे यकीन है कि यह बहुत अच्छा समय होगा, क्योंकि मैं कैमरों के सामने वापस आऊंगी, जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है।

अभिनेत्री, जो बाद में एक अज्ञात प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए वाराणसी भी जाएंगी, खुद को और सभी को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक सावधानियों के प्रति सचेत हैं। उन्होंने कहा, इस नए सामान्य दिनों में सावधानियां बहुत जरूरी हैं। मुझे हर समय एक मास्क पहनना पड़ता है।

चाचा अभय देओल के साथ नजर आएंगे करण, सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल के बेटे करण देओल अब जल्द ही अपने चाचा अभय देओल के साथ नजर आने वाले हैं। हाल ही में एक्टर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उनके साथ चाचा अभय देओल भी दिखाई दे रहे है। इस तस्वीर में करण अपने चाचू के साथ मुस्कुराते और पोज देते नजर आ रहे हैं। करण ने पोस्ट में बताया कि वह अपने चाचा के साथ शूट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सपने के सच होने जैसा है। शेयर तस्वीर के साथ

करण ने लिखा कि मैं हमेशा मेरे पीछे खड़े रहने के लिए डिंपी चाचू को धन्यवाद दूंगा। वह हमेशा मेरे लिए एक प्रेरणा रहे हैं और उनके साथ काम करना कुछ ऐसा है जिसे मैं हमेशा संजो कर रखूंगा। करण ने आगे कहा कि वह इस अवसर के लिए बेहद उत्साहित हैं।

आज का राशिफल

मेषः आज का दिन आपके लिए लाभदायी है। व्यापार और व्यवसाय में भी अपेक्षित सफलता मिलने की संभावना अधिक है। आनंद-प्रमोद और मनोरंजक प्रवृत्तियां दिनभर चलती रहेंगी।

वृषः आज के दिन आप व्यापार को विकसित करने की ओर अधिक ध्यान देंगे। नई योजनाएं और विचारधारा की नवीनता से व्यापार प्रगति की दिशा में अग्रसर होने लगेगा।

मिथुनः खान-पान में आज विशेष ध्यान रखें। नकारात्मक विचारों को मन से निकाल देने पर हताशा की अवस्था में से उभर पाएंगे। अनैतिक और अप्रमाणिक कार्य विपत्ति में डाल सकता है।

कर्कः किसी के साथ आज भावनात्मक संबंध से बंध सकते हैं। उस संबंध में आज कुछ अधिक भावनाशील रहेंगे।

सिंहः व्यापार के विस्तृतिकरण हेतु धन का आयोजन करने के लिए बहुत अनुकूल दिन है। व्यावसायिकों को अपनी अध्यक्षता के नीचे रहे लोगों से व्यावसायिक लाभ होगा।

कन्याः वस्त्राभूषणों की खरीदी आपके लिए रोमांचक और आनंददायी रहेगी। कला के प्रति आप की अभिरुचि विशेष रहेगी।

तुलाः आज का दिन आपके लिए मध्यम फलदायी रहेगा। स्थावर संपत्ति संबंधित दस्तावेज करने हेतु सावधानी बरतिएगा। माता के स्वास्थ्य के विषय में चिंता रहेगी।

वृश्चिकः आज का दिन व्यवसायियों के लिए अनुकूल है। गृहस्थजीवन में उलझे हुए प्रश्नों का निराकरण मिलेगा।

धनुः वाणी और वर्तन पर संयम रखने से अन्य लोगों के साथ मनमुटाव के प्रसंगों को आप टाल सकेंगे। आध्यात्मिक विचार और प्रवृत्तियों में आज दिनभर मन लगा रहेगा।

मकरः व्यवसायिक क्षेत्र में अनुकूल वातावरण मिलेगा। आज का प्रत्येक कार्य बिना विघ्न के संपन्न होगा।

कुंभः आज मानसिक रूप से धार्मिक भावनाओं का उदय अधिक होगा। धार्मिक कार्य अथवा धार्मिक यात्रा के पीछे धन खर्च करेंगे।

मीनः विवाहोत्सुकों को योग्य पात्र मिलेगा। व्यवसायिक क्षेत्र में भी लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में सुख-शांति छाई रहेगी। किसी मनोहर स्थल पर प्रवास हो सकता है।

खाने में टेस्टी है खुबानी बिरयानी

सामग्री :

वेजिटेबल एप्रिकॉट लेयर के लिए- 1 टेबलस्पून तेल, 1 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 2 हरी इलायची, 1 इंच का टुकड़ा बारीक कटा हुआ, 1 प्याज पिसा हुआ, 2 गाजर चौकोर टुकड़ों में कटे हुए, 1 कप फूलगोभी मीडियम साइज में कटे हुए, 1/2 कप बिना बीज सूखे एप्रिकॉट गर्म पानी में भीगे हुए, 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर, पिसी काली मिर्च, नमक स्वादानुसार

चावल के लिए- 2 बासमती चावल धुला और पानी निथारा हुआ, 1 बड़ा तेजपत्ता, 2 स्टार अनाइस, नमक स्वादानुसार, पिसी काली मिर्च

विधि :

वेजिटेबल एप्रिकॉट लेयर के लिए एक बड़े पैन में मध्यम आंच पर तेल गर्म करें और इसमें दालचीनी व इलायची डालें। अब अदरक व पिसा हुआ प्याज डालकर भूनें। इसमें गाजर, फूलगोभी और आधे एप्रिकॉट डालें व एक मिनट पकां। अब

गरम मसाला, नमक, मिर्च डालकर सब्जियों के नर्म होने तक पकाएं। दूसरी तरफ चावल में तेजपत्ता, स्टार अनाइस, पानी, नमक व मिर्च मिलाकर मध्यम आंच पर रखें। इस मिश्रण को उबलने दें। इसे तब तक पकाएं जब तक पानी का स्तर उतना न हो जाए, जितना चावल का है। आंच को कम कर दें और चावल के मुलायम होने तक पकाएं। आंच से हटा लें। अवन को 130 डिग्री पर प्रीहीट करें। एक कैसरोल की तली में घी लगाएं और आधे चावल फैला दें। इसके ऊपर वेजिटेबल एप्रिकॉट की पर्त फैला दें और बचे हुए चावल से ढक दें। बचे हुए एप्रिकॉट ऊपर से छिड़क दें और ढककर 10 मिनट तक पकाएं।

शब्द सामर्थ्य- 179

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

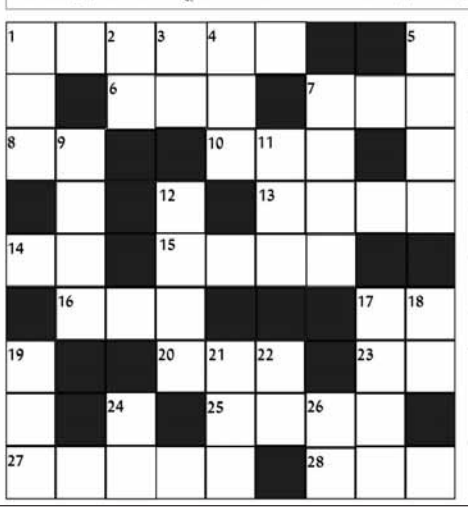

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 178 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 179

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.178 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1